पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण आर्बोरेटम पौटर हिल शिमला में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2024 के आयोजन की रिपोर्ट

Report on Celebration of International Day of Forests-2024 at Western Temperate Himalayan Arboretum, Potter Hill, Shimla

---

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला, द्वारा **21 मार्च 2024** को पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण आर्बोरेटम, पॉटर हिल, समरहिल, शिमला में **"अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस"** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से पर्यावरण विज्ञान के 45 विद्यार्थीयों एवं संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं शोधार्थियों सहित 75 लोग शामिल हुये। **डॉ॰ जोगिंदर चौहान मुख्य** तकनीकी अधिकारी ने मुख्य अतिथि **श्री राजा भसीन,** इतिहासकार एवं लेखक, **डॉ॰ संदीप शर्मा, निदेशक**, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला एवं छात्रों का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। डॉ॰ संदीप शर्मा ने कहा कि इस वर्ष का थीम वन और नवाचार: एक बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान है और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों के बीच वन एवं पर्यवरण के बारे में जागरूकता फैलाना है। उन्होनें सतत विकास के लिए वन प्रौद्योगिकी और वनों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों पर विस्तृत में व्याख्यान दिया। उन्होने जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताई और विद्यार्थीयों एवं अन्य सभी प्रतिभागियों को पौधरोपण और वनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया और छात्रों से आग्रह किया कि वो वन के सरंक्षण में अपना योगदान दे और समाज में जागरूकता फैलाएँ। मुख्य वक्ता **श्री राजा भसीन** ने शिमला की वनस्पति पर औपनिवेशिक प्रभाव के विषय पर अपने विचार सांझा किए। उन्होने अंग्रेजों द्वारा वानिकी क्षेत्र में शिमला में किए गए कार्यों से भी अवगत करवाया। शिमला में चिनार के पाँच पौधे रोपित किए गए थे जो आज भी मौजूद है। वर्तमान में शिमला के जंगल दूषित हो रहे है, जंगलों में प्लास्टिक कचरा फेंका जा रहा है। कई क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा फेंकना आग को फैलाने मे सहयोग करता है, अतः इसकी रोकथाम जरूरी है। पौधरोपण में अधिक से अधिक स्वदेशी एवं स्थानीय प्रजातियों को लगाना आवश्यक है। सौंदर्यीकरण के नाम पर हमने कुछ एसी विदेशी प्रजातीय लगाई जबकि स्थानीय प्रजातियाँ भी वेहतर है। उन्होनें छात्रों को सलाह दी की वो पर्यावरण सरंक्षण में जरूरी कदम उठाने और बदलाव लाने की मशाल थामे क्योंकि देश का उज्ज्वल भविष्य उन्ही की सोच और अच्छे कार्य से होगा। **डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक** ने पर्यावरण सरंक्षण के मिशन लाइफ मे वर्णित उद्देशयों को अपना कर सभी से अपना योगदान देने का आग्रह किया। ऊर्जा मे वचत कर एवं पौधरोपण से कार्बन फूट प्रिंट को कम किया जा सकता है। पौधरोपण कार्बोन फूट प्रिंट को कम करने का सबसे अच्छा साधन है अतः सभी का कर्तव्य है कि पौधों

.

को रोपे और उनका सरंक्षण करे । इसी तरह प्लास्टिक का भी कम से कम उपयोग किया जाना चाहिए । **डॉ॰ वनीत जिश्टु, वैज्ञानिक** ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए हरित स्थान (Green Space) के महत्व के बारे में लोगों को अवगत करवाया । उन्होनें सुझाव दिया कि स्मार्ट सिटि प्रोजेक्ट मे **ग्रीन स्पेस** विकसित करना जरूरी है क्योंकि विकास के कारण वन क्षेत्र कम हो गया है । उन्होनें कहा कि संस्थान नें पौटर हिल शिमला में आरबोरेटम विकसित किया है जिसमे महत्वपूर्ण विभिन्न स्थानीय प्रजातियों के पौधे रोपित किए है, जिससे इनके सरंक्षण में फायदा होगा और शिमला शहर के पास ग्रीन स्पेस भी उपलब्ध होगा । **श्री डीपी गुप्ता,** वरिष्ठ पत्रकार ट्रिब्यून ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए ग्रीन कवर बढ़ाना ही होगा । **डॉ॰ जोगिंदर चौहान** ने कहा कि युवा पीढ़ी बदलाव का माध्यम है, उन्हे आगे आकार पर्यावरण के सरंक्षण में अपना योगदान देना चाहिए । इसके अलावा उन्होनें कहा कि जंगलों में जंगली खाद्य पौधे रोपित किए जाने चाहिए ताकि जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक वास में भोजन उपलब्ध हो । इसके बाद, श्री ब्रिज भूषण, मीनाक्षी शर्मा, मोनिका चौहान, पंकज शर्मा, अंकुश एवं भानु ने छात्रों का आर्बोरेटम का दौरा करवाया और वहाँ लगाई गई विभिन्न वन प्रजातियों के बारे में उन्हे अवगत करवाया । कार्यक्रम का समन्वयन डॉ॰ जगदीश सिंह एवं डॉ॰ जोगिंदर चौहान द्वारा किया किया । विस्तार प्रभाग से श्री राजेंदर पाल, श्री स्वराज सिंह एवं श्री कुलवंत राय गुलशन ने कार्यक्रम को करवाने मे सहयोग किया । कार्यक्रम का समापन **डॉ॰ वनीत जिश्टु** के धन्यवाद भाषण से हुआ ।

कार्यक्रम के कुछ छायाचित्र

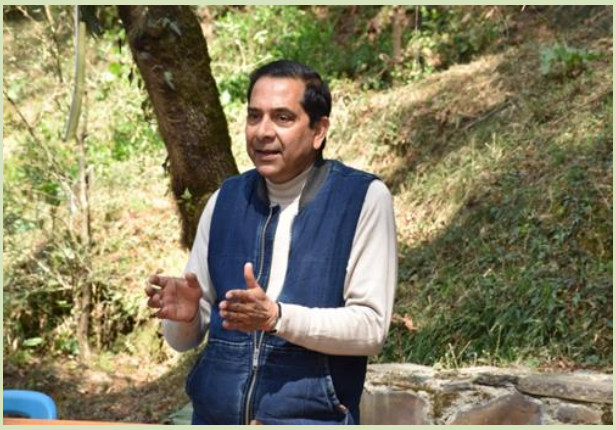

.

अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस-2024

अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस-2024

अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस-2024
थीम :- वन और नवाचार: बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान
21 मार्च, 2024

अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस-2024
थीम :- वन और नवाचार: बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान
21 मार्च, 2024

.

Media Coverage

जंगलों में कचरा फेंकने पर पर्यावरणविदों ने जताई चिंता

समरहिल में दी सख्त कदम उठाने की सलाह, बोले, आग फैलाने का काम करता है प्लास्टिक कचरा

संवाद न्यूज एजेंसी

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सौजन्य से समरहिल में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिमला के जंगलों में प्लास्टिक कचरा फेंका जा रहा है, यह चिंताजनक है।

कई क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरा आग फैलाने में सहयोग करता है और इसकी रोकथाम जरूरी है। सौंदर्यीकरण के नाम पर पौधों की कुछ विदेशी प्रजातियां लगाई जा रही हैं जबकि स्थानीय प्रजातियां पर्यावरण के लिए बेहतर हैं।

समरहिल में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी और विद्यार्थी। संवाद

वनों की कटाई के कारण हर साल 10 मिलियन हेक्टेयर भूमि नष्ट हो जाती है और लगभग 70 मिलियन हेक्टेयर भूमि आग से प्रभावित होती है। इस वर्ष का विषय वन और नवाचार : एक बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान है। कार्यक्रम के दौरान 120 प्रजातियों के पौधे रोपे गए। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने सतत विकास के लिए वन प्रौद्योगिकी और वनों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों के बारे में जानकारी दी।

लेखक राजा भसीन ने शिमला की वनस्पति पर औपनिवेशिक प्रभाव के विषय पर विचार साझा किए।

वैज्ञानिक डॉ. जगदीश सिंह ने कहा कि ऊर्जा में बचत कर और पौधरोपण से कार्बन फूट प्रिंट को कम किया जा सकता है। सभी का कर्तव्य है कि पौधे रोपकर उनका सरंक्षण करें।

पौधरोपण, वनों के संरक्षण के लिए किया प्रेरित

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से वीरवार को पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण आर्बोरेटम, पॉटर हिल, समरहिल, शिमला में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस का आयोजन किया गया । डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने कहा कि इस वर्ष का थीम वन और नवाचार एक बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान हैं। उन्होंने सतत विकास के लिए वन प्रौद्योगिकी और वनों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों पर विस्तृत में व्याख्यान दिया। जलवायु परिवर्तन पर चिंता जताई और स्टूडेंट्स एवं अन्य सभी प्रतिभागियों को पौधरोपण और वनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया और छात्रों से आग्रह किया कि वह वन के सरंक्षण में अपना योगदान दें और समाज में जागरूकता फैलाएं। इस तरह के कार्यक्रम से लोगों के बीच वन एवं पर्यवरण के बारे में जागरूकता फैलाना है।

HFRI celebrates the International Forest Day with HPU students

D P Gupta March 21, 2024 Uncategorized

The International Forest Day was observed by Himalayan Forest Research Institute (HFRI) Shimla at the Western Himalayan Temperate Arboretum, Potter Hill, Summerhill on Thursday.

The students of department of Environmental Sciences of Himachal Pradesh University Shimla were specially invited to participate in the programme along with faculty members.

Acclaimed historian and writer Raja Bhasin was the main speaker and chief Guest of the function.

Speaking on the occasion, Director of HFRI Dr. Sandeep Sharma highlighted the theme of this year's International Forest Day- "Forests and Innovation- New Solution for a better world".

He also talked about forest technology and direct and indirect benefits of forests for sustainable development of human beings; expressing concern over climate change he also motivated students to contribute in tree plantation and conservations of forests, besides creating awareness in the society to slow down the looming threat of Climate Change and Global Warming."

Chief Guest of the function Raja Bhasin spoke on Colonial Impact on Flora of Shimla.

He said," The Britisher's during their rule in India planted several plants in Shimla as per their needs and liking; five plants of chinar planted by them still exists."

He said , " Presently the forests of Shimla are getting polluted, plastic waste is being thrown in the forests, plastic dumping is rampant and it has become quite important to plant indigenous trees in large numbers; saving forests from wildfire is also of utmost importance ."

Bhasin also appealed to the students to become torch bearers of environment conservation.

Dr. Jagdish Singh, scientist with the HFRI also talked about various aspects of forest conservation.

In his address Dr. Vaneet Jishtu, scientist also emphasized the importance of creating green spaces in towns and plants developed in the Arboretum at Potter Hill Shimla.

A quiz competition for the students was also organized on the occasion.

****

.